बदहाली | किसान और व्यापारी त्रस्त, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

पाटन मंडी में कीचड़ और बदबू से चलना दूभर

पाटन नवभारत 17 सितंबर। पाटन कृषि उपज मंडी परिसर में इन दिनों गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जगह-जगह कचरा सड़े-गले अनाज के ढेर और जलभराव के कारण बदबू से किसानों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मंडी परिसर में न तो नियमित साफ-सफाई होती है और न ही कचरा उठाने की कोई व्यवस्था है नालियां जाम होने से गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है।

शौचालय की हालत बदहाल

उक्त मंडी में शौचालयों की हालत भी बदतर है लोग इन शौचालयों के भीतर जाना पसंद नहीं करते हैं। बदबूदार वातावरण से पूरा क्षेत्र लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। गंदगी के कारण बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले किसानों ने बताया कि वे सुबह से उपज लेकर आते हैं गंदगी और बदबू के बीच उन्हें दिनभर बैठना पड़ता है किसानों ने मंडी प्रशासन से मांग की है कि मंडी परिसर में नियमित साफ-सफाई करवाई जाए, कचरा उठाने के लिए कर्मचारी लगाए जाएं और नालियों की सफाई की जाए।

इनका कहना है

निर्माण कार्य और सफाईकर्मियों की कमी के चलते मंडी परिसर में नियमित सफाई नही हो पा रही एक दो दिन सफाई व्यवस्था दुरस्त कराता हूँ।

कमलेश सोनकर, सचिव
कृषि उपज मंडी पाटन

दुर्गेश बने किसान यूनियन संविधान के संभागीय अध्यक्ष

कटंगी, नवभारत 17 सितंबर। भारतीय किसान यूनियन संविधान द्वारा पाटन तहसील क्षेत्र के ग्राम भरतरी निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पटेल को संगठन में संभागीय अध्यक्ष, जबलपुर संभाग के पद पर मनोनीत किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमाकांत कश्यप के निर्देश पर जारी नियुक्ति पत्र में यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति पत्र में संगठन ने आशा व्यक्त की है कि दुर्गेश पटेल अपने क्षेत्र के किसान भाइयों की समस्याओं के लिए संघर्ष करते हुए उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। नवनियुक्त संभागीय अध्यक्ष दुर्गेश पटेल ने संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए किसानों की समस्याओं को उनके हितों के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात कही। नियुक्ति पर क्षेत्र के किसानों एवं समर्थकों ने उन्हें बधाई दी।

संतान के दीर्घायु की कामना के साथ सप्तमी पूजन

▶ पूजा में सात पुए और चांदी की चूड़ी का है महत्व

बेलखाडू नवभारत 17 सितंबर। संतान सप्तमी का व्रत और पूजन मुख्य रूप से संतान प्राप्ति, संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और उनके उज्जवल भविष्य के लिए महिलाएं रखती हैं । संतान सप्तमी का महत्व संतान सुख की प्राप्ति को लेकर होता है जिन माता-पिता को संतान का सुख प्राप्त नहीं हुआ है, उनके लिए यह व्रत बहुत फलदायी माना जाता है।

इसके साथ ही संतान की रक्षा के लिए , बच्चों को बुरी नजर, अकाल मृत्यु, बीमारियों और विभिन्न संकटों से सुरक्षित रखने के लिए इस व्रत को महिलाएं पौराणिक मान्यताओं अनुसार एक सुरक्षा कवच माना जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा को मानते हुए आज के दिन महिलाएं विधि-विधान से शिव-पार्वती की पूजा करके परिवार में सुख-शांति और वंश की वृद्धि की भगवान से कामना करती हैं।' आज भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को यह व्रत धारण कर मनाया जाता है। आज के दिन 'सात' अंक की प्रधानता को महिलाएं महत्व देती है, कुछ गांव में महिलाएं द्वारा पूजा में 7 गांठों वाला 'संतान डोरा' एवं कुछ में चांदी की चूड़ी को धारण किया और भोग 7 मीठे पुए चढ़ाए ।

मोरयाई छठ पर किया पूजन-विशेष परंपरा मोर विसर्जन का गांव में आज भी निर्वहन और महत्व है, बेलखाडू और आस पास के गांव में जिन परिवारों में हाल ही में शादी - विवाह संपन्न हुआ है, वहां इस दिन दूल्हा-दूल्हन के विवाह में इस्तेमाल होने वाले 'मोर' मुकुट, मंडप और अन्य सामग्री को महिलाएं एकत्रित समूह में मंगल गीत गाते हुए गांव के समीप तालाब या नदी में ले जाकर विसर्जित किया गया ।

ग्रामीण अंचल में एक साथ जगमगाए सैंकड़ों दीप

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर बेलखाडू, सिहोरा, पनागर सहित आसपास के क्षेत्रों में हुआ आर्शीवाद का दीया कार्यक्रम

बेलखाडू नवभारत 17 सितंबर। मोहास सहित आसपास के गांवों में शाम 7 बजे हुआ दीप प्रज्वलन के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस मनाया गया। जन्मदिवस को सेवा संकल्प अभियान के रूप में मनाने के लिए यहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए। प्रधानमंत्री गुरुवार शाम ग्रामीण अंचल में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाम 7 बजे बेलखाडू, मोहास, बघोड़ी, बघोड़ा, सुरतलाई, नगना, झगरा, भर्रा, नूनसर, बिलखरवा सहित आसपास के गांवों में लोगों ने दीप प्रज्वलित कर सेवा, सहयोग और जनकल्याण का संदेश दिया।

इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। कई स्थानों पर दीपों से सुंदर आकृतियां सजाई गईं तथा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से ग्रामीण अंचल का वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण नजर आया।

मोहास में भी हुआ विशेष आयोजन

ग्राम मोहास में सरपंच गौरी पटेल, सचिव रामजी पटेल, रोजगार सहायक सुबोध शर्मा, राजेश दहिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने एक साथ दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इसी क्रम में सरपंच बालकिशन पटेल, सचिव नंदकिशोर पटेल, शेरा गोटियां, महेंद्र सोनी, गोपाल चढ़ार एवं कृष्णा सोनी सहित अन्य ग्रामीणजन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

एक माह चलेगा सेवा संकल्प अभियान

कार्यक्रम के माध्यम से 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत की गई। जिसमें एक माह तक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने का संकल्प लिया गया। आयोजकों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को सामाजिक सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता तथा जनहित के कार्यों से जोड़ना है। 'आशीर्वाद का दीया' इसी सेवा भावना और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक रहा। ग्रामीणों ने कहा कि एक छोटे से दीप की रोशनी की तरह समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी निरंतर प्रकाश फैलाती रहे।

सिविल अस्पताल सिहोरा में रक्तदान शिविर आयोजित

सिहोरा नवभारत 17 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर देश भर में चलाए जा रहे 'सेवा से संकल्प अभियान' के तहत सिहोरा के सिविल अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

28 यूनिट ब्लड एकत्र- शिविर में पहुंचे युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। युवाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिन को सेवा कार्य के रूप में मनाने से बेहतर कोई और तरीका नहीं हो सकता। रक्तदाताओं का कहना था कि उनके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज का जीवन बचाने में काम आएगा। जबलपुर विक्टोरिया अस्पताल से यहां पहुंची टीम ने स्वैच्छिक दानदाताओं से 28 यूनिट ब्लड एकत्र किया। टीम प्रभारी ने जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान करने वाले स्वयं सेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मोदी के जन्मदिन पर पनागर स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर, रक्तदाताओं में दिखा उत्साह

पनागर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर देशभर में सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 'सेवा पखवाड़ा' एवं 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत गुरुवार को पनागर स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में मेडिकल कॉलेज जबलपुर के रक्त कोष विभाग की टीम ने पहुंचकर रक्तदान कार्यक्रम का संचालन किया। शिविर में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के कर्मचारियों के साथ-साथ शासकीय महाविद्यालय पनागर के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए मेडिकल कॉलेज जबलपुर की टीम ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण सेवा है। रक्तदान से प्राप्त रक्त जरूरतमंद मरीजों, दुर्घटना पीड़ितों, प्रसूता महिलाओं तथा विभिन्न गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के उपचार में उपयोगी होता है। ऐसे शिविरों के माध्यम से रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ आमजन में नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

सुरक्षित किट से रक्त संग्रह- शिविर के दौरान रक्तदान करने वाले सभी दाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया। विद्यार्थियों और कर्मचारियों में रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजकों द्वारा रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा भविष्य में भी स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनिमेष ऐडे, डॉ. नेहल, डॉ. हेमंत, काउंसलर ऋतु सिंह, रोहित मेहरा, ऋतुराज, मोहित सोनी सहित मेडिकल कॉलेज जबलपुर के रक्त कोष विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। टीम ने शिविर में रक्तदाताओं की आवश्यक जांच, काउंसलिंग, रक्त संग्रह तथा शिविर की अन्य व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोगों के लिए बना प्रेरणा स्त्रोत-पनागर स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस रक्तदान शिविर ने सेवा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करते हुए लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयासों से रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों की मदद की जा सकती है और समाज में मानव सेवा की भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है।

अहिंसा को अपनाने का संकल्प ही उत्तम क्षमा धर्म

▶ पर्युषण महापर्व का शुभारंभ

कटंगी नवभारत 17 सितंबर। जैन धर्म के पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस पर नगर में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक आस्था का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर कटंगी नगर के सभी जैन मंदिरों में भगवान श्रीजी का अभिषेक एवं पूजन सामूहिक रूप से विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर उत्तम क्षमा धर्म की आराधना की और जीवन में क्षमा, संयम तथा अहिंसा के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री पारसनाथ जैन मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शांतिधारा का सौभाग्य रत्नेश जैन परिवार तथा दूसरी शांतिधारा का सौभाग्य राजेंद्र जैन एवं सिद्धार्थ जैन परिवार को प्राप्त हुआ। शांतिधारा के पश्चात

श्रद्धालुओं की उपस्थिति में तत्वार्थ सूत्र का वाचन किया गया।

पर्युषण महापर्व जैन समाज का प्रमुख आध्यात्मिक पर्व माना जाता है। इन दिनों श्रद्धालु आत्मचिंतन, तप, संयम, स्वाध्याय और धार्मिक साधना के माध्यम से अपने जीवन को आध्यात्मिक रूप से परिष्कृत करने का प्रयास करते हैं। महापर्व के प्रथम दिन मनाए जाने वाले उत्तम क्षमा धर्म में सभी जीवों के प्रति क्षमा भाव रखने तथा आपसी वैमनस्य और कटुता को त्यागने का संदेश दिया जाता है।

ब्रम्हाचारिणी दीदी के प्रवचन

नगर में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इंदौर प्रतिभा स्थली से पधारीं ब्रह्मचारिणी दीदी के सान्निध्य में धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं को जैन धर्म के सिद्धांतों, आत्मशुद्धि, संयम और क्षमा के महत्व से अवगत कराया जा रहा है।

मंदिर परिसर में अनेक अनुष्ठान

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। पर्युषण महापर्व के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, स्वाध्याय एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मशीन, औजारों का पूजन कर मनाई विश्वकर्मा जयंती

▶ भगवान के तेलचित्र का पूजन कर बांटा प्रसाद

बेलखाडू नवभारत 17 सितंबर। आज पूरे ग्रामीण क्षेत्रों में सृष्टि के पहले वास्तुकार और देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक विधि-विधान के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर विभिन्न कारखानों, औद्योगिक इकाइयों, मोटर गैराज, वर्कशॉप, इंजीनियरिंग संस्थानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में विशेष आयोजन किए गए। प्रात:काल से ही कारीगरों, तकनीशियनों, ड्राइवरों और कामगारों ने अपने कार्यस्थलों की साफ-सफाई की और मशीनों, औजारों तथा वाहनों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वेदियों पर भगवान विश्वकर्मा का तैल चित्र स्थापित कर धूप, दीप, रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित किए गए।

अस्त्र-शस्त्र निर्माता का पूजन-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड का रचनाकार और देवताओं का वास्तुकार माना जाता है। उन्होंने ही स्वर्ग लोक, सोने की लंका और द्वारका नगरी जैसे दिव्य नगरों और अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। यह पर्व हमें कर्म और श्रम की महत्वत्ता का संदेश देता है। बिना हुनर कला और मेहनत के समाज की प्रगति संभव नहीं है, और यही दिन हर मेहनती हाथों व तकनीक को सम्मान देने का प्रतीक है। कुछ लोगों ने घर पर अपने कार्यों के औजार रखकर, तो कुछ ने अपने बेल्डिंग कार्य स्थल, छपाई कार्य, पलम्बर्स सहित अन्य ने पूजा पाठ के उपरांत कारखानों ,संस्थानों में प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने अपने काम में निरंतर उन्नति, सुरक्षा और सफलता की कामना की। ग्राम बेलखाडू, बघोंडी, रामबाग, सूरतलाई, मंगेला रोड स्थित कारखानो में, नगना, सरोद, बोरिया, बरोदा, नुनसर सहित आस पास के गांव में विद्वान शास्त्रियों द्वारा पूजन कराकर उत्साह पूर्वक जयंती मनाई।

डॉ. डीएल चौधरी का निधन

सिहोरा 17 सितंबर। सिहोरा वॉर्ड नंबर 8 मझौली बायपास राही मेडिकल के संचालक डॉ. डी एल चौचरी (65) का गुरुवार को निधन हो गया। आप संदीप, दिलीप के पिता थे। अंतिम संस्कार शुक्रवार को वॉर्ड नंबर 1 राजीव गांधी मैदान स्थित श्मशानघाट में सुबह 10 बजे होगा।

बारिश से सड़कों पर उभर आए जानलेवा गड्ढे

सिहोरा। बारिश के मौसम में जहां जीव जंतुओं का खतरा अधिक रहता है वहीं सिहोरा मार्ग सहित क्षेत्रों को जोड़ने वाले मार्गों में अत्यधिक बारिश के बाद लोगों के लिए सड़कों पर उभर आए बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। जिम्मेदार विभाग से शीघ्र सुधार की मांग की गई है।

उल्टी दस्त से पीड़ित बालिका की इलाज के दौरान मौत

बालिका का जीवित अवस्था का चित्र।

▶ मोहास ग्राम के दाहिया परिवार में शोक की लहर

बेलखाडू नवभारत 17 सितंबर। तीन दिन से उल्टी दस्त से पीड़ित बच्ची ने शासकीय मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज दौरान बुधवार की रात अंतिम सांस ली।

बच्ची के बड़े पापा सोनू दाहिया ग्राम मोहास ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय चिकित्सक और उप स्वास्थ्य केंद्र बेलखाडू में छोटे भाई लालू दाहिया की 8 वर्षीय पुत्री हर्षिता दाहिया को उल्टी दस्त बीमारी के चलते इलाज हेतु ले गए थे। जहां प्राथमिक उपचार तथा हालत बिगड़ने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर ने जबलपुर रिफर करने की सलाह के बाद मेडिकल कॉलेज जबलपुर में भर्ती किया गया। जहां उल्टी दस्त के इलाज दौरान बुधवार की रात्रि 2 बजे के लगभग पीड़िता बच्ची हर्षिता ने अंतिम सांस ली । गांव के दुखित परिवार ने मेडिकल से लौट कर आज मोहास में बच्ची का अंतिम संस्कार किया।

शिविर | उमरिया पठरा में 76वां सामाजिक अधिकारिता शिविर आयोजित

128 दिव्यांग सहित वरिष्ठ नागरिकों को उपकरण वितरित

पनागर नवभारत 17 सितंबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को जबलपुर के तत्वावधान में गुरुवार को बाजार प्रांगण, उमरिया पठरा में 76वें सामाजिक अधिकारिता शिविर का सफल आयोजन किया गया। जनपद पंचायत सदस्य व चेयरमैन वन स्थायी समिति के नीरज पांडेय की विशेष पहल और नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में 'राष्ट्रीय वयोश्री' और 'एडिप' योजना के तहत 128 पात्र लाभार्थियों को सहारा प्रदान किया गया।शिविर के दौरान जरूरतमंद दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न उपकरण नि:शुल्क बांटे गए।

ट्राई साइकिल एवं व्हीलचेयर, श्रवण सहायता में कान की मशीन इसके अलावा अन्य दैनिक उपकरण में चेयर विद कमोड एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी सहायक सामग्री वितरित की गई।

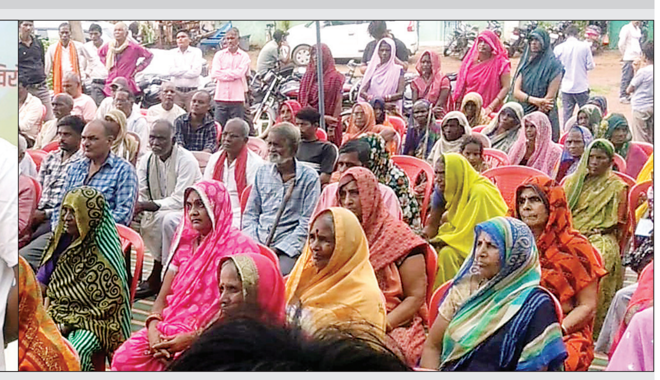

जनप्रतिनिधियों की रही सहभागिता

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद जनपद सदस्य नीरज पांडेय ने लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन देना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष शैलेंद्र 'शालू' पटेल ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई और हितग्राहियों को उपकरण मिलने पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सामाजिक सरोकार के लिए नीरज पांडेय एवं शैलेंद्र 'शालू' पटेल का सम्मान भी किया गया।

ग्रामीणों ने की खुशी व्यक्त

ग्रामीण क्षेत्र में ही यह शिविर आयोजित होने से स्थानीय लोगों को काफी सहूलियत हुई। नि:शुल्क उपकरण मिलने पर लाभार्थियों और उनके परिजनों ने खुशी व्यक्त करते हुए भारत सरकार, एलिम्को तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में सरपंच गोलू कोरी, अजय कोल, नरेंद्र पटेल, शुभम द्विवेदी, विपिन पटेल, शरद पांडेय, मोहित पांडेय, रोहित पांडेय, आनंद तिवारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं लाभार्थी परिवार उपस्थित रहे।